Kuvempu University, Shimogga

B.A. (HINDI)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC) FOR SEM V AND VI

AS PER SEP(Revised):2026 -27

Kuvempu University, Shimogga

B.A.in **HINDI**

Effective from 2026-27

Sem.	Type of Course	Theory/ Practical	Course Code	CourseTitle	Instruction hour/week	Duration Of Exam	Marks			Credits
							Formative	Summative	Total	
V	DSC-5A	Theory	**A5 HIN 2T1**	UPANYAS SAHITYA	06 hrs	03hrs	20	80	100	04
	DSC-5B	Theory	**A5 HIN 2T2**	NATAK SAHITYA	06 hrs	03hrs	20	80	100	04
	Skill/Practical	Theory	**A3 HIN 1T1**	VYAVAHARIK HINDI AUR EKANKI	02hrs	02hrs	10	40	50	02
VI	DSC-6A	Theory	**A6HIN 2T1**	MADHYAKALIN KAVYA AUR ADHUNIK KHAND KAVYA	06 hrs	03 hrs	20	80	100	04
	DSC-6B	Theory	**A6HIN 2T2**	GADYA KI VIVIDH VIDHAYE	06 hrs	03hrs	20	80	100	04
	Skill/Practical	Theory	**A4HIN1T2**	JANASANCHAR MADHYAM AUR HINDI	02 hrs	02hrs	10	40	50	02

B.A. Semester– V

DisciplineSpecificCourse(DSC)-5A

Student shall select DSC 5A or 5B for 04 credits only

Course Title:UPANYAAS SAHITYA

Course Code:A5 HIN 2 T1

Type ofCourse	Theory /Practical	Credits	Instructionhou rperweek	TotalNo.ofLectu res/Hours /Semester	Durationof Exam	FormativeA ssessmentM arks	Summative assessment Marks	TotalMa rks
DSC-5A	**Theory**	**4**	**5+1**	**75hrs.**	**3hrs.**	**20**	**80**	**100**

Course Outcomes (COs):Attheend ofthecoursestudentswillbeableto:

CO1: भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।

CO2: हिंदी के व्यावहारिक स्वरूप को समझ पायेंगे

CO3: रचनात्मकता में रुचि निर्माण होगी

Unit	**Title:UPANYAAS SAHITYA** उपन्यास साहित्य	**75hrs/ sem**
UnitI	उपन्यास साहित्य का सामान्य परिचय- तत्त्व, प्रकार हिन्दी उपन्यास साहित्य का उद्भव और विकास	15 hrs
UnitII	हिन्दी के प्रमुख उपन्यासकार और उनके उपन्यास (प्रेमचंद, यशपाल, जैनेन्द्र,कमलेश्वर और मन्नू भंडारी, उषा प्रियंवदा, ममता कालिया)	15 hrs
UnitIII	देवेश ठाकुर जी का परिचय और उनके प्रमुख उपन्यास	15 hrs
UnitIV	'जंगल के जुगुनू' - देवेश ठाकुर (वाणी प्रकाशन, नई दिली) 'जंगल के जुगुनू' उपन्यास का तात्त्विक विश्लेषण	15 hrs
Unit-V	'जंगल के जुगुनू' उपन्यास का समीक्षात्मक अध्ययन	15 hrs

Recommended books:

1. 'जंगल के जुगुनू'-देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिली.
2. बीसवी सदी अंतिम दशक के हिन्दी उपन्यासों का प्रवृत्तिमूलक अनुशीलन- डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ
   अन्नपूर्णा प्रकाशन- कानपूर.

3. हिन्दी के प्रयोगशील उपन्यास : परिवर्तित समान जीवन के अंतरंग- डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ
अन्नपूर्णा प्रकाशन- कानपूर.
4. हिंदी उपन्यास की पहचान और परख-डा इद्रंनाथ मदान
5. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्प विधि-सतपल चुध
6. हिंदी उपन्यासों की स्तिथि और गति– डॉ. चंद्रकांत बाँदिवाडेकर
7. हिन्दी साहित्यिक निबंध- डॉ. गणपतिचंद गुप्त
8. हिन्दी साहित्य का दुसरा इतिहास- बच्चन सिंह,
9. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा,
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
12. भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ. भगीरथ मिश्र
13. समीक्षा सिध्दांत – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
14. बीसवी सदी अंतिम दशक के हिन्दी उपन्यासों का प्रवृत्तिमूलक अनुशीलन- डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ
अन्नपूर्णा प्रकाशन- कानपूर.
15. हिन्दी के प्रयोगशील उपन्यास : परिवर्तित समान जीवन के अंतरंग- डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ
अन्नपूर्णा प्रकाशन- कानपूर.

FormativeAssessmentforTheory	
AssessmentOccasion/type	**Marks**
InternalAssessmentTest1	05
InternalAssessmentTest2	05
Assignment	10
Total	**20Marks**
FormativeAssessmentasperguidelines.	

B.A. Semester– V

DisciplineSpecificCourse(DSC)-5B

Student shall select DSC 5A or 5B for 04 credits only

Course Title:NATAK SAHITYA

Course Code:A5 HIN 2 T2

Type ofCourse	Theory /Practical	Credits	Instructionhou rperweek	TotalNo.ofLectu res/Hours /Semester	Durationof Exam	FormativeA ssessmentM arks	Summative assessment Marks	TotalMa rks
DSC-5B	**Theory**	**4**	**5+1**	**75hrs.**	**3hrs.**	**20**	**80**	**100**

Course Outcomes (COs):Attheend ofthecoursestudentswillbeableto:

CO1: अभिनय में रुचि उत्पन्न होगी।

CO2: नाटक मंचन में रुचि निर्माण होगी।

CO3: मौखिक वाचन और लेखनशक्ति का विकास होगा।

CO4: भावनाओं का उदात्तीकरण होगा जिससे उनके व्यक्तित्व निर्माण होगा।

CO5: विवेक सम्पन्नता और भावनात्मक अभिव्यक्ति को सही दिशा और दृष्टि प्राप्त होगी।

CO6: नाटक से जुडकर दृश्य काव्य की अन्य विधाओं की समझ बढेगी।

Unit	**Title:NATAK SAHITYA** **नाटक साहित्य**	**75hrs/ sem**
UnitI	नाटक का सामान्य परिचय, तत्त्व, प्रकार हिन्दी नाटक साहित्य का उद्भव और विकास	15 hrs
UnitII	हिन्दी के प्रमुख नाटककार और उनके नाटक (जयशंकर प्रसाद, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, मोहन राकेश)	15 hrs
UnitIII	विष्णु प्रभाकर जी का परिचय और उनके नाटक	15 hrs
UnitIV	युगे युगे क्रांति (नाटक)- विष्णु प्रभाकर, (राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली) 'युगे युगे क्रांति' नाटक का तात्विक बिवेचन	15 hrs
Unit-V	'युगे युगे क्रांति' नाटक का रंगमंच और शिल्प	15 hrs

Recommended books:

1. युगेयुगेक्रांति(नाटक)- विष्णु प्रभाकर, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली.
2. रंगमंच और नाटक की भूमिका – लक्ष्मीनारायण लाल
3. हिन्दी एकांकी नाटक और एकांकीकार–डॉ. रामचरण
4. हिन्दी साहित्य का दुसरा इतिहास- बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
8. समीक्षा सिद्धांत - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
9. काव्य के रूप- डॉ. गुलाब रॉय

FormativeAssessmentforTheory	
AssessmentOccasion/type	**Marks**
InternalAssessmentTest1	05
InternalAssessmentTest2	05
Assignment	10
Total	**20Marks**
FormativeAssessmentasperguidelines.	

B.A. Semester– VI

Skill Enhancement Course

Course Title:VYAVAHARIK HINDI AUR EKANKI

Course Code:A6 HIN 5 T 1

Type ofCourse	Theory /Practical	Credits	Instructionhourperweek	DurationofExam	FormativeAssessmentMarks	SummativeassessmentMarks	TotalMarks
SP-2	**Theory/Practical**	**02**	**02**	**2hrs.**	**10**	**40**	**50**

Course Outcomes (COs):Attheend ofthecoursestudentswillbeableto:

CO1: व्यावहारिक हिंदी का व्याकरणकी समझ बढेगी।

CO2: हिंदी श्ब्द संपदा की जानकारी मिलेगी।

CO3: हिंदी के व्यावारिक, साहित्यिक और प्रयोजनपरक स्वरूप को समझ पायेगा।|

CO4: हिंदी एकांकी और प्रसिध्द एकांकीकारों की जानकारी मिलेगी।

CO5: दृश्य काव्य को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बना सकेगा।

CO6: मौखिक एवं लेखन कौशल का विकास कर सकेगा।

CO7: सांस्कृतिक एवं साहित्यक व्यक्तित्व का निर्माण कर पायेगा।

Unit	**Title:VYAVAHARIKHINDI AUR EKANKI** **व्यावहारिक हिंदी और एकांकी**
UnitI	क्रिया (काल, वाक्य), क्रिया विशेषण, संबंध सूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादि बोधक
UnitII	एकांकी का सामान्य परिचय एकांकी पंचामृत- डॉ. रामकुमार, (जवाहर पुस्तकालय, मथुरा) 1. दस हजार- उदयशंकर भट्ट 2. मानव प्रेम- हरिकृष्ण प्रेमी
UnitIII	3. दस मिनट- डॉ. रामकुमार वर्मा 4. भोर का तारा- जगदीशचंद्र माथुर 5. घर बंद- हमीदुल्ला

Recommended books:

1. व्याकरण व्यवहार एवं हिंदी – डॉ. चंद्रशेखर लमाणी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. मानक हिंदी व्याकरण- डॉ. एच. आर. मिश्रा
3. हिंदी व्याकरण परिधि एवं रचना-डॉ.विद्यपाल सिंह
4. अभिनव व्यावरिक हिंदी-परमानम्द गुप्त

FormativeAssessmentforTheory	
AssessmentOccasion/type	**Marks**
InternalAssessmentTest1	05
Assignment	5
Total	**10Marks**
FormativeAssessmentasperguidelines.	

B.A. Semester– VI

DisciplineSpecificCourse(DSC)-6A

Student shall select DSC 6A or 6B for 04 credits only

Course Title:MADHYAKALIN KAVYA AUR ADHUNIK KHAND KAVYA

Course Code:A6 HIN 2 T 1

Type ofCourse	Theory /Practical	Credits	Instructionhou rperweek	TotalNo.ofLectu res/Hours /Semester	Durationof Exam	FormativeA ssessmentM arks	Summative assessment Marks	TotalMa rks
DSC-6A	**Theory**	**4**	**5+1**	**75hrs.**	**3hrs.**	**20**	**80**	**100**

Course Outcomes (COs):Attheend ofthecoursestudentswillbeableto:

CO1:साहित्य के प्रति सौन्दर्यानुभूति ग्रहण करेगा।

CO2: महाकाव्य और खंडकाव्य के अतंर को समझ पायेगा।

CO3: जीवन दर्शन के प्रति तार्किक विकास कर सकेगा।

CO4: काव्यकला और भाषायी सौंदर्य के प्रति रुचि व्युत्पन्न होगी।

CO5: काव्यगत विशिष्टताओं को समझ लेना।

CO6: मानवीय मूल्यों का विस्तार कर सकेगा जिससे से वैश्विक स्तर पर मानवता की स्थापना होगी।

CO7: रस, छंद, अलंकार जैसे विभिन्न काव्य तत्वों की समझ बढेगी।

CO8: काव्यशास्त्रीय ज्ञान और उसके व्यवहार पर अधिकार प्राप्त कर सकेगा।

Unit	Title:MADHYAKALIN KAVYA AUR ADHUNIK KHAND KAVYA मध्यकालीन काव्य और आधुनिक खण्डकाव्य	75hrs/ sem
UnitI	काव्य की परिभाषा, काव्य हेतु, प्रयोजन, तत्त्व, काव्य के संप्रदाय	15 hrs
UnitII	महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य	15 hrs
UnitIII	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य- सं. डॉ. राजकुमार सिंह परमार (मलिक एण्ड कंपनी, जयपुर.) कबीर के दोहे (साखी), सूरदास के पद	15 hrs

UnitIV	गोस्वामी तुलसीदास- बाल रूप की झाँकी, बाल लीला, धनुर्यज्ञ जायसी- नागमति संदेश खण्ड	15 hrs
Unit-V	राहुल (खण्ड काव्य)- जयप्रकाश कर्दम (अमन प्रकाशन, कानपूर)	15 hrs

Recommended books:

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य- सं. डॉ. राजकुमार सिंह परमार, मलिक एण्ड कंपनी. जयपुर.
2. राहुल (खण्ड काव्य)- जयप्रकाश कर्दम, अमन प्रकाशन, कानपूर
3. काव्य के रूप-गुलाबराय
4. काव्य के विविध अगं–प्रो. कृष्ण नारायण प्रसाद, साहित्य प्रकाशन, सागर
5. समकालीन काव्य यात्रा-नंद किशोर नवल
6. भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ. भगीरथ मिश्र
7. समीक्षा सिध्दांत – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

FormativeAssessmentforTheory	
AssessmentOccasion/type	**Marks**
InternalAssessmentTest1	05
InternalAssessmentTest2	05
Assignment	10
Total	**20Marks**
FormativeAssessmentasperguidelines.	

B.A. Semester– VI

DisciplineSpecificCourse(DSC)-6B
Student shall select DSC 6A or 6B for 04 credits only

Course Title:GADYA KI VIVIDHA VIDHAYEN
Course Code:A6HIN 2 T 2

Type ofCourse	Theory /Practical	Credits	Instructionhou rperweek	TotalNo.ofLectu res/Hours /Semester	Durationof Exam	FormativeA ssessmentM arks	Summative assessment Marks	TotalMa rks
DSC-6B	**Theory**	**4**	**5+1**	**75hrs.**	**3hrs.**	**20**	**80**	**100**

Course Outcomes (COs):Attheend ofthecoursestudentswillbeableto:

CO1: गध्य की विविध विधाओं के प्रति रूचि विकसित होगी।

CO2: शब्द, सूक्ति, मुहावरें आदि के भंडार को समृद्ध करना।

CO3: विषय को क्रमबध्द रीति से प्रस्तुत करने कौशल्य प्राप्त होगा।

CO4: विवेचन एवं विश्लेषण की शक्ति का विकास कर सकेगा।

CO5: आधुनिक संदर्भ में विज्ञन एवं तकनीकि के महत्व को जान सकेगा ।

CO6: प्रमुख वैज्ञानिकों के जीवनी या आत्मकथा को पढ़कर खुद के व्यक्तित्व का विकास करेगा।

Unit	Title:GADYA KI VIVIDHA VIDHAYEN गध्य की विविध विधाएँ	75hrs/ sem
UnitI	गद्य की विविध विधाएँ-निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य, रिपोर्ताज, डायरी, साक्षात्कार आदि का सामान्य परिचय	15 hrs
UnitII	'गद्य गरीमा' - सं डॉ. एन्. मोहनन्, डॉ. दीपक के. आर्. (राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली.) 1. बेटी का विवाह- अमृत रॉय 2. बडौदा का अनुभव- डॉ. बाबासाहेब अबेंड्कर 3. मेरा हमदम मेरा दोस्त:कमलेश्वर- राजेन्द्र यादव	15 hrs
UnitIII	4. सूखे सरोवर का भूगोल- मणि मधुकर 5. निंदा रस- हरिशंकर परसाई	15 hrs

	6. गेहूँ बनाम गुलाब- रामवृक्ष बेनीपुरी 7. आप- प्रताप नारायण मिश्र	
UnitIV	संस्मरण- महादेवी वर्मा (राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली.) 1. दद्दा 2. निराला भाई 3. स्मरण : प्रेमचंद	15 hrs
Unit-V	4. प्रसाद5. सुमित्रानंदन पंत6. सुभद्रा	15 hrs

Recommended books:

1. गद्य गरीमा- सं डॉ. एन्. मोहनन्, डॉ. दीपक के. आर्., राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली.
2. संस्मरण- महादेवी वर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली.
3. साहित्यिक निबंध- गणपतिचंद्र गुप्त
4. काव्य के रूप-गुलाबराय
5. भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ. भगीरथ मिश्र
6. समीक्षा सिध्दांत – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

FormativeAssessmentforTheory	
AssessmentOccasion/type	**Marks**
InternalAssessmentTest1	05
InternalAssessmentTest2	05
Assignment	10
Total	**20Marks**
FormativeAssessmentasperguidelines.	

B.A. Semester–VI

Skill Enhancement Course

Course title :Jan Sanchar madhyam aur hindi

Course Code:AO HIN 6P1

Type ofCourse	Theory /Practical	Credits	Instructionhourperweek	DurationofExam	FormativeAssessmentMarks	SummativeassessmentMarks	TotalMarks
SEC	**Practical**	**02**	**02**	**02 hrs**	**10**	**40**	**50**

Course Outcomes (COs):Attheendofthecourse,studentswillbeableto:

CO1:छात्र संचारमाध्यम के महत्व को जान सकेगें।

CO2:क्षेत्रकार्यकेकौशल्यकोविकसितकरसकेगें।

CO3:प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग की क्षमता बढेगी।

CO4:हिंदी भाषा के विविध प्रयोजन से अवगत होंगे।

CO5:पत्रकारिताकेकौशल्य- रिपोर्टिंग, स्थंबलेखन,
फोटोपत्रकारिताएवंअनुवादकरनासीखेंगे।

Recommended books:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिध्दांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. बशीरुद्दीन मद्री, गीता प्रेस, हैदराबाद
4. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला – डॉ. आर. सी. तिवारी, आलेख प्रकाशन
5. विज्ञापन तकनीक एवं सिध्दांत – नरेंद्र सिंह यादव, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
6. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
7. समाचार लेखन और वेबप्रकारिता – अपूर्व कुलश्रेष्ठ 'प्रसून', श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
8. कार्यलयकार्यबोध-
9. टिप्पण, प्रारूपणऔरप्रूफ़रीडिंग-

Instructions if any:

1 केंद्र सरकारी तथा सरकारी निगम पर भेंटदेकर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

2 हिन्दी या कन्नड साहित्यकारों से भेंट वार्ता की जासकती है ।

3 विज्ञापन एजेंसी पर भेंटदेकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

4 रिपोर्टर और संपादकों से साक्षात्कारकर सकते हैं।

Assessment for Field Work	
Assessment Occasion/type	**Marks**
Internal Assessment Test	05
Assignment	05
TOTAL	10